ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of Speech **28 October, 2020**

Shri Rahul Gandhi addressed a public meeting at Pakdihwa-Daunaha, District West Champaran, Bihar, today.

श्री राहुल गांधी ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- शक्ति सिंह गोहिल जी, अखिलेश प्रसाद सिंह जी, सुबोधकांत सहाय जी, अजय कपूर जी, अनिल शर्मा जी, सुप्रिया श्रीनेत जी, नरेन्द्र शर्मा जी, मुन्ना त्यागी जी, हमारे कैंडिडेट्स प्रवेश मिश्रा जी, राजेश सिंह जी, जयेश मंगल सिंह जी, कांग्रेस पार्टी के, आरजेडी के, गठबंधन के सारे कार्यकर्ता, भाईयों और बहनों, प्रेस के हमारे मित्रों, आप सबका यहाँ आज बहुत-बहुत स्वागत और युवाओं का खासतौर से इस मैदान में बहुत-बहुत स्वागत, नमस्कार।

कुछ साल पहले प्रधानमंत्री यहाँ आए थे, याद है आपको? भाषण दिया था, याद है, आए थे, जैसे अब दो दिन में आने वाले हैं। उस टाईम आए थे, कहा था – गन्ने का इलाका है, चीनी मिल चालू करुंगा और अगली बार वापस आऊंगा तो आपके साथ यहाँ की बनी चीनी को चाय में मिलाकर पिऊंगा। याद है आपको, याद है ना? (जनसभा ने कहा, हाँ), चाय पी आपके साथ, चाय पी आपके साथ? (जनसभा ने कहा- नहीं) ना।

पंजाब में दशहरा हुआ, पहली बार मैंने देखा, आमतौर से दशहरे में रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले जलाए जाते हैं। पहली बार देखने को मिला कि पंजाब में दशहरे पर नरेन्द्र मोदी जी, अंबानी जी और अडाणी जी के पुतले जलाए जा रहे हैं। अजीब सी बात है। आमतौर से दशहरे पर रावण का पुतला जलाया जाता है और 2020 में पंजाब में, पूरे पंजाब में दशहरे पर रावण नहीं जलाया जा रहा है, नरेन्द्र मोदी जी का, अंबानी का और अडाणी का पुतला जलाया जा रहा है। क्यों – कारण क्या है? आज हिंदुस्तान का किसान, पंजाब का किसान नरेन्द्र मोदी जी का पुतला क्यों जला रहा है? बड़ा सवाल है। नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री हैं और दुख की बात है कि दशहरे पर देश के प्रधानमंत्री का पुतला जलाया जा रहा है। हंसने की बात नहीं है, दुख की बात है। कारण क्या है – कारण ये है कि जो नीतिश जी ने बिहार के साथ 2006 में किया, वो आज नरेन्द्र मोदी जी पंजाब, हरियाणा और पूरे हिंदुस्तान के साथ कर रहे हैं।

देखिए भाईयों और बहनों, शहर का सहारा गांव होता है, गांव का सहारा किसान होता है और किसान का सहारा उसका खेत होता है। खेत और किसान के बिना शहर नहीं चल सकता। ये हिंदुस्तान की सच्चाई है और ये जो तीन कानून नरेन्द्र मोदी जी लाए हैं, जिसका पहला पायलट प्रोजेक्ट बिहार में किया गया था। ये तीन कानून हिंदुस्तान के, बिहार के किसान पर आक्रमण है, आपके खेतों पर आक्रमण है। बिहार में 2006 में मंडी के सिस्टम को नष्ट किया गया था, एमएसपी के सिस्टम को नष्ट किया गया था और आज गन्ने का किसान, गेहूं का किसान, धान का किसान समझता है कि उसे अपने माल के लिए सही

दाम नहीं मिल सकता, चाहे वो कुछ भी कर ले। चाहे वो कुछ भी कर ले, बिहार के किसान को अपनी मेहनत के लिए, अपने खून-पसीने के लिए सही दाम नहीं मिल सकता और इसीलिए ये जो आज युवा आए हैं, इन सबको अपने प्यारे प्रदेश को छोड़ना पड़ा। ये मुंबई जाते हैं, बैंगलोर जाते हैं, दिल्ली जाते हैं, ये खुशी से नहीं जाते हैं, ये इसलिए जाते हैं, क्योंकि बिहार को नष्ट कर दिया गया है।

आप याद रखिए, बिहार की जगह को समझिए, बिहार के शब्दों को समझिए। जब महात्मा गांधी दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति से लड़ने जा रहे थे, सुपर पॉवर था, इंग्लैंड उस समय का सुपर पॉवर था, दुनिया का सबसे पॉवर फुल देश था। जब गांधी जी हिंदुस्तान की शक्ति का प्रयोग करना चाह रहे थे, तब वो सीधे चंपारण गए, वो बिहार में गए। वो इधर आए, क्योंकि उन्हें मालूम था, वो हिंदुस्तान को समझते थे, उन्हें मालूम था कि अगर हिंदुस्तान को खड़ा करना है, अगर हिंदुस्तान को अंग्रेजों से लड़ना है, तो लड़ाई बिहार से शुरु होगी, चंपारण से शुरु होगी। ये आपकी जगह है।

आज आप जाते हैं, आपको बताया जाता है, बिहार के युवाओं को बताया जाता है, सपना देखो, अपनी जिंदगी बनाओ, रोजगार ढूंढो। युवा पूछता है, सपना कहाँ बनाऊं, रोजगार कहाँ मिलेगा, आपको जवाब मिलता है – बिहार में नहीं, कर्नाटक में, बैंगलोर में, दिल्ली में, पंजाब में, हरियाणा में, मगर बिहार में नहीं। बिहार में आपको रोजगार नहीं मिल सकता। ये आपकी सच्चाई है और ये आपकी गलती नहीं है। आप ये मत सोचिए कि बिहार के किसान में कोई कमी है, बिहार के युवा में कोई कमी है – नहीं। कमी नीतिश जी में है। कमी आपके चीफ मिनिस्टर में है, कमी आपके प्रधानमंत्री में है। वो आपको सच नहीं बताते। एक के बाद एक, एक के बाद एक आपको झूठ बताते हैं।

दो करोड़ युवाओं को नरेन्द्र मोदी जी ने हर साल रोजगार देने का वायदा किया था। क्या नाम है तुम्हारा, हां, (जनसभा में बैठे एक युवक द्वारा कुछ कहने पर, श्री राहुल गाँधी ने उनका नाम पूछा, युवक ने दीपक गुप्ता बताया) दीपक गुप्ता को नरेन्द्र मोदी जी ने नौकरी से निकाल कर भगाया। दीपक गुप्ता को, दीपक गुप्ता बिहार के लिए काम करना चाहते हैं। पहले क्या करते थे दीपक जी (दीपक गुप्ता से पुन: राहुल जी ने पूछा)- दिल्ली मेट्रो(दीपक गुप्ता ने जवाब दिया)। देखिए भईया, मुझे बताओ बिहार मेट्रो में आपने क्यों नहीं नौकरी ढूंढी? मेट्रो है ही नहीं। दिल्ली मेट्रो में काम करते थे, वहाँ से भगा दिया। अच्छा, आप जैसे लाखों बिहारियों को भगाया, आपने देखा होगा, टी.वी. पर देखा होगा। मजदूर आए, हजारों किलोमीटर वापस चले, देखा आपने, याद है। अरे भईया, चुनाव का समय है, याद रखना चाहिए आपको। याद है आपको बिहार के लाखों मजदूर आए, आपके जैसे। पीने का पानी था? भोजन था? रेलवे ट्रेन थी? बस मिली? (जनसभा ने कहा - नहीं), नरेन्द्र मोदी जी ने क्या किया - पैदल भगाया। मैं मजदूरों से बात कर रहा था, लॉकडाउन था, कोरोना का समय था, मैंने कहा नहीं, मैं बिहार के मजदूरों से जाकर मिलना चाहता हूं, मैं उत्तर प्रदेश के मजदूरों से मिलना चाहता हूं। मैंने जाकर बात की, मैं बैठा, सड़क पर बैठा, आपने देखा होगा। मैंने उनसे पूछा, भईया बताओ, क्या हुआ? मजदूर कहते हैं – हमें एक बात समझ नहीं आई। मैंने कहा – क्या? कहते हैं इस प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन करना था, तो ठीक है, कर देते, मगर इसने हमें दो-तीन दिन क्यों नहीं दिए? अगर वो हमें दो दिन दे देते, लॉकडाउन हो जाता, हम ट्रेन पकड़ कर बिहार आ जाते। हम बस में बैठकर आ जाते। उन्होंने मुझसे पूछा, राहुल जी आप एक सवाल का जवाब दीजिए- नरेन्द्र मोदी जी ने जब लॉकडाउन किया, उन्होंने रात को 8 बजे झटके से क्यों

किया? बिना वार्निंग दिए क्यों किया? मैं आपको जवाब देना चाहता हूं। लॉकडाउन का जवाब और नोटबंदी का जवाब एक ही है और आप अच्छी तरह सुनिए, समझिए - 8 बजे रात को नरेन्द्र मोदी जी टी.वी. पर आते हैं, कहते हैं – कालेधन के खिलाफ लड़ाई है, नोटबंदी करनी है, 500 रुपए, 1000 रुपए का नोट रद्द करने जा रहे हैं। कोरोना के समय नरेन्द्र मोदी आते हैं, शाम के समय कहते हैं - 22 दिन की लड़ाई है, 22 दिन में कोरोना को खत्म कर देंगे, लॉकडाउन की जरुरत है। क्यों – नोटबंदी और लॉकडाउन का एक ही लक्ष्य था। जो हमारे छोटे किसान हैं, जो मजदूर हैं, जो छोटे बिजनेस चलाते हैं, जो मिडिल साइज बिजनेस चलाते हैं, उनके धंधे को नष्ट करने का लक्ष्य था।

लॉकडाउन में आपकी जेब में से पैसा निकाला, अंबानी, अडाणी की जेब से नहीं। वो आपको बैंक के सामने दिखे थे क्या, जब आप सब लाइन में खडे थे, आपने उनको देखा था बैंक के सामने, ना। आम जनता को आपने देखा, किसान को, मजदूर को, आपने अपनी जेब से पैसा निकाला, बैंक में डाला, नरेन्द्र मोदी जी ने आपको कहा – कालेधन के खिलाफ लड़ाई है और फिर सीधा आपका पैसा लेकर 3 लाख 50 हजार करोड़ हिंदुस्तान के सबसे अमीर उद्योगपतियों का कर्जा माफ कर दिया। आप देखते रह गए। आपने कहा भाई, ये तो कालेधन के खिलाफ लड़ाई थी। कालेधन वाले तो एसी में बैठे, कालेधन वालों ने बैंक के पीछे दरवाजे से जाकर अपना पूरा पैसा बदल दिया और आपके लाखों-करोड़ रुपए आपकी जेब से निकले, सीधा उनकी जेब में गए। छोटे दुकानदार, छोटे बिजनेस वाले, मिडिल साइज बिजनेस वाले, सब नष्ट हो गए।

अब चलिए लॉकडाउन की बात करते हैं। लॉकडाउन में फिर से वही किया। लाखों-करोड़ रुपए सबसे अमीर 5-6 बिजनेस वालों का कर्जा माफ किया, उनको टैक्स की छूट दे दी। कांग्रेस पार्टी दिनभर चिल्ला रही थी कि भईया, किसानों का कर्जा माफ करो, छोटे व्यापारियों की मदद करो, स्मॉल मीडियम बिजनेस वालों की मदद करो। मोदी जी कहते हैं – नहीं, मैं तो नहीं करुंगा, मैं क्यों करुं? और ये जो सारे के सारे दुकानदार थे, छोटे मिडिल साइज बिजनेस वाले थे, उनको नुक्सान हुआ, वो सब खत्म हो गए, नष्ट हो गए। इनका धंधा खत्म हो गया है। ये जो हैं, किसान जो हैं, मजदूर जो हैं, छोटे दुकानदार जो हैं, स्मॉल मीडियम बिजनेस वाले, ये हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था चलाते हैं, यही रोजगार दिलवाते हैं और इनकी रीढ़ की हड्डी नरेन्द्र मोदी जी ने तोड़ दी और बिहार में ये काम बहुत पहले शुरु हो गया था। 2006 मे जो आपकी रीढ़ की हड्डी थी, जो आपकी खेती का सिस्टम था, एमएसपी का सिस्टम था, प्रिक्योरमेंट का सिस्टम था, उसको खत्म कर दिया। तो आज ये हालत है कि बिहार को छोडिए, पूरे देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल सकता।

नरेन्द्र मोदी जी कभी कहते हैं – 22 दिन की लड़ाई है, कभी कहते हैं कि भईया कोरोना आया है, मोबाईल फोन की बत्ती जलाओ, कभी कहते हैं थाली पकड़ो, थाली बजाओ। मगर जो हमारा किसान भूखा- प्यासा मर रहा है, उसके बारे में हमारे प्रधानमंत्री एक शब्द क्यों नहीं कहते? जो यहाँ लाखों युवा हैं, जिनका भविष्य उनकी आंखों के सामने खत्म हो रहा है, नष्ट हो रहा है, उनकी बात क्यों नहीं करते? जो छोटे दुकानदार हैं, जो छोटा बिजनेस चलाते हैं, उनकी बात क्यों नहीं करते? क्योंकि नरेन्द्र मोदी सिर्फ हिंदुस्तान के सबसे अमीर 5-10 बड़े उद्योगपतियों का काम करते हैं।

मुझे काफी दुख हुआ, दशहरे पर हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री के पुतले को पंजाब में जलाया जा रहा है। ये मुझे अच्छा नहीं लगा, दुख हुआ कि हमारे प्रधानमंत्री हैं, उनका पुतला नहीं जलाना चाहिए। मगर पंजाब का किसान जो है, बिहार का किसान जो है, पंजाब का युवा, बिहार का युवा, उत्तर प्रदेश का युवा, उसके दिल में गुस्सा है कि हमारे प्रधानमंत्री दिनभर बिहार के चीफ मिनिस्टर के साथ भाषण देते हैं। कभी चीनी की बात करेंगे, कहेंगे मैं चीनी दूंगा, फिर हम एक साथ चाय पिएंगे। कभी दूसरे देशों की बात करेंगे, मगर जो देश के सामने समस्या है, सबसे बड़ी समस्या, रोजगार की समस्या, उसके बारे में प्रधानमंत्री कुछ नहीं कहेंगे। पहले कहते थे, नीतिश जी कहते थे, अब प्रधानमंत्री अपने भाषण में नहीं कहते कि मैं दो करोड़ युवाओं को रोजगार दूंगा। जानते हैं कि झूठ बोला था, बिहार की जनता बात समझ गई है। अगर, मैं बता रहा हूं, गारंटी देकर कह रहा हूं, प्रधानमंत्री अगर आ गए और आज कह दिया कि दो करोड़ युवाओं को मैं रोजगार दूंगा, तो शायद भीड़ उनको भगा दे। क्या है कि भइया, आपने पहले झूठ बोला था, आपने दिया नहीं, अब आप हमसे झूठ मत बोलिए।

बिहार में गठबंधन है, हम आरजेडी के साथ, बाकी पार्टियों के साथ लड़ रहे हैं और एक युवा नेता खड़े हैं। तेजस्वी नया विजन देना चाहते हैं, रोजगार की बात करते हैं और कांग्रेस पार्टी एक साथ, उनके साथ ये चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस पार्टी ने देश को डायरेक्शन दिया है। आपको याद होगा मनरेगा हमने दिया, भोजन का अधिकार हमने दिया, किसानों का कर्जा माफ हमने किया। हम देश को चलाना जानते हैं, हम किसानों के साथ खड़े होना जानते हैं, हम युवाओं को रोजगार देना जानते हैं, मगर एक कमी जरुर है हममें, हम झूठ बोलना नहीं जानते। उनके सामने हम झूठ बोलने में उनका मुकाबला नहीं कर सकते। ये कमी है, मैं इस स्टेज से मान लेता हूं कि हमारे में कमी है। तो मैं आपको कहना चाहता हूं, आपने बनाया पकौड़ा, हाँ, अगली बार आएंगे, पकौड़ा बनाकर मोदी जी को, नीतिश जी को थोड़े खिला देना। तो देखिए, मैं चाहता हूं कि एक बार फिर बिहार का युवा, बिहार का किसान सिर्फ बिहार को रास्ता ना दिखाए, मैं चाहता हूं कि बिहार का युवा पूरे देश को रास्ता दिखाए और मैं वो दिन देखना चाहता हूं जब बाकी प्रदेशों के युवा रोजगार ढूंढने पटना आएं और ये हम कर सकते हैं, मिलकर ये काम हम कर सकते हैं। ये मैं चाहता हूं। सरकार बनेगी, सबकी सरकार होगी, ये मैं गारंटी देकर आपको कह रहा हूं। मैं गारंटी दे रहा हूं कि सरकार बनेगी तो सबकी सरकार होगी। हर जाति की सरकार होगी, हर धर्म की सरकार होगी, हर डिस्ट्रिक्ट की सरकार होगी, आपकी सरकार होगी और मिलकर, एकसाथ मिलकर बिहार हिंदुस्तान को विकास समझाएगा।

आप दूर-दूर से आए, इतनी गर्मी में आपने मेरी बात सुनी, इतना प्यार दिया। दिल से आपको बहुत-बहुत धन्यवाद, नमस्कार। जयहिंद।

Sd/-
(Dr. Vineet Punia)
Secretary
Communication Deptt,
AICC